प्रादेषिक समाचार

आकाषवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांक : 17.11.2026 समय : 18.30 पीएम

0000

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग पर बल दिया।
- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बिजली व्यवस्था और ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।
- राजस्थान पंचायती राज चुनाव 2026 के चौथे और अंतिम चरण के तहत आज उपसरपंच चुने गये।
- राज्य में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से दिन और रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट।

0000

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और आसियान के बीच बढ़ती साझेदारी पर बल दिया और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सहयोग का आह्वान किया है। श्री मोदी आज फिलीपींस की राजधानी मनीला में **23वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन** को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आसियान नेताओं के साथ इस प्रारूप में यह उनकी 13वीं बातचीत है। श्री मोदी ने बताया कि वर्ष 2014 से भारत और आसियान ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं।

00000

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में सब्जियों, फूलों, फलों, बागवानी फसलों और औषधीय पौधों के उत्पादन में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। श्री चौहान आज नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने वर्ष 2025–26 के लिए बागवानी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान जारी किये। श्री सिंह ने कहा कि वर्ष 2025–26 में देश का कुल बागवानी उत्पादन 38 करोड़ 69 लाख टन से अधिक रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि साल 2024–25 में ये उत्पादन करीब 37 करोड़ 7 लाख टन था, जिसमें इस बार 4 दशमलव तीन छः प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। कृषि मंत्री ने बताया कि फलों का उत्पादन 12 करोड़ 30 लाख टन से अधिक रह सकता है। वहीं सब्जियों का उत्पादन भी बढ़कर 22 करोड़ 72 लाख टन से ज्यादा रहने के आसार है। कृषि मंत्री ने कहा कि खेती के रकबे की कमी के बावजूद फल, सब्जियों और बागवानी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी होने की संभावना हैं। उन्होंने इस बढ़ोतरी को देश के किसानों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम बताया।

0000

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने आज जयपुर में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। ऊर्जा सचिव आरती डोगरा सहित अन्य उच्चाधिकारियों के साथ उन्होंने रबी सीजन में बिजली की मांग और आपूर्ति प्रबंधन को लेकर मंथन किया। इस दौरान ऊर्जा भण्डारण, पीएम कुसुम और रूफ टॉप सोलर योजनाओं और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर तथा निर्माणाधीन जीएसएस की प्रगति पर भी चर्चा की गई। मीडिया से बातचीत में श्री नागर ने कहा कि किसानों को दिन में बिजली देने और 13 जिलों की व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि सभी डिस्कॉम्स को लाभ में लाने के प्रयास किये जा रहे है। बिजली छीजत को कम करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

0000

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने आज सियोल में लोकप्रशासन पर एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा। अंतरर्राष्ट्रीय, प्रशासनिक, विज्ञान संस्थान के वार्षिक सम्मेलन के पहले दिन संस्थान के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने ये सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संवाद को आने वाले सम्मेलनों में शामिल करने से एशियाई देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। इससे भारत, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान के लोक प्रशासन विशेषज्ञों और प्रशासकों को एक मंच पर लाया जा

सकेगा। मुख्य सचिव ने लोक प्रशासन के एशियाई मॉडल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। गौरतलब है कि गौरतलब है कि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास आईआईएएस के पहले भारतीय अध्यक्ष है। दक्षिण कोरिया में चार दिन का ये सम्मेलन 20 नवम्बर तक चलेगा।

00000

राजस्थान पंचायती राज चुनाव 2026 के चौथे और अंतिम चरण के तहत आज उपसरपंच चुने गये। कई स्थानों पर इनका निर्विरोध निर्वाचन भी हुआ। वहीं इस चरण में 25 जिला परिषद और **116** पंचायत समितियों **के** सदस्यों के लिए हुए चुनाव के वोटो की गिनती 20 नवम्बर को की जायेगी। इसके लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त किये जा रहे है। इस बीच राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह आज टोंक दौरे पर रहे। मीडिया से बातचीत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि उन्होंने विभिन्न जिलों का दौरा कर चुनाव प्रबंधन और पर्यवेक्षक प्रकिया का जायजा लिया है। प्रदेश में पंचायत चुनाव शंतिपूर्ण, सुचारू और सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करवाये जा रहे है।

00000

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत ने हाल के वर्षों में मलेरिया नियंत्रण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। राष्ट्रपति ने ये बात आज नई दिल्ली में **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान** के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवा, उन्नत दवाएं, मच्छर नियंत्रण अभियान और सामुदायिक भागीदारी ने मलेरिया के मामलों को नियंत्रित करने में प्रभावी भूमिका निभाई है।

00000

आज राष्ट्रीय मिर्गी दिवस है। ये एक प्रकार का न्यूरोलोजिकल विकार होता है, जिसमें दिमाग की कोशिकाओं में असामान्य गतिविधियां होने से बार–बार दौरे पड़ते है। मिर्गी रोग से जुड़े अंधविश्वासों को दूर करने और इसके ईलाज की उचित जानकारी देने के लिए ये दिन मनाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर रोग की पहचान और नियमित दवाईयों के सेवन से मरीज पूरी तरह सामान्य जीवन जी सकता है।

00000

राज्य में पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त हो गया है और मौसम पूरी तरह साफ तथा शुष्क बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से तापमान में कमी आने और ठण्ड में बढोतरी होने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। इस बीच सीकर के फतेहपुर में रात का पारा सबसे कम 7 दशमलव 4 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं चूरू में न्यूनतम तापमान 10 दशमलव 2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा भीलवाडा, अलवर, अजमेर, करौली सहित 16 से अधिक स्थानों पर रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। इसी तरह बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान में भी मामूली कमी आई है और प्रदेश में कहीं भी दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं रहा।

00000

प्रदेश में आज गोपाष्टमी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों, मंदिरों और गौशालाओं में गौ माता की पूजा अर्चना और आरती की गई। **श्रद्धालुओं** ने गुड़, चना और हरा चारा खिलाकर गौसेवा की। साथ ही महिलाओं ने मंगल गीत भी गाये।

राजधानी जयपुर के गोविंद देवजी मंदिर में गोपाष्टमी उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जयपुर के पिंजरा पोल गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में भाग लिया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने गौसंरक्षण के साथ ही प्राकृतिक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

00000

अंतरर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले की औपचारिक शुरूआत आज ध्वजारोहण के साथ हुई। पूजा अर्चना के साथ नगाड़ो की गूंज ने मेला मैदान में माहौल को उत्सवी बना दिया। 24 नवम्बर तक चलने वाले इस मेले मे धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और परम्पराओं के अनूठे रंग देखने को मिलेंगे।

0000